बुधवार, 05 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया का नया मिशन शुरू

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रामायण की नई सीता पर बवाल क्यों?

Page-05

यूपी विधानसभा के मानसून सत्र में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा।सपा ने नियम 311 के तहत सदन का काम रोककर तत्काल चर्चा कराने की मांग की।हंगामा बढ़ने पर विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर पलटवार किया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर यूपी विधानसभा में हंगामा, सपा-कांग्रेस ने मांगी चर्चा

- **राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सपा-कांग्रेस ने चर्चा की मांग की।**
- **हंगामे के बाद विधानसभा की कार्यवाही स्थगित हुई।**

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने इस मामले पर सदन में तत्काल चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष के विधायक अपनी सीटों से उठकर विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार बढ़ते हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही भी प्रभावित हुई और अंत में उसे स्थगित करना पड़ा।सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने नियम 311 के तहत सभी कामकाज रोककर राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़ा विवाद बेहद महत्वपूर्ण है और इससे ज्यादा अहम विषय क्या हो सकता है। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि नियम 311 को सही तरीके से पढ़ने की जरूरत है। उनके मुताबिक यह मामला न तो तात्कालिक है और न ही ऐसा है कि पूरी सदन की कार्यवाही रोककर इस पर चर्चा कराई जाए।इसके बाद सपा विधायक विरोध करते हुए अध्यक्ष के आसन के सामने पहुंच गए और 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में' जैसे नारे लगाए। हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने पहले राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, वे आज राम मंदिर और आस्था की बात कर रहे हैं।सुरेश खन्ना ने कहा कि चढ़ावा विवाद की जांच चल रही है और मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में इस विषय पर विधानसभा में चर्चा नहीं कराई जा सकती। उन्होंने कहा कि योगी सरकार किसी अपराधी को संरक्षण नहीं देती और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा के मुस्लिम विधायकों का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें अच्छा लग रहा है कि वे अब राम मंदिर की बात कर रहे हैं। उन्होंने अतीत में राम मंदिर को लेकर विपक्ष के रुख का भी जिक्र किया। महाना ने कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' के अयोध्या जाकर दर्शन करने का भी उल्लेख किया।विपक्ष के लगातार विरोध और नारेबाजी के कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई। राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा।

फैजान अंसारी का अभिजीत दिपके पर मारपीट का आरोप

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने CJP के फाउंडर अभिजीत दिपके के खिलाफ दिल्ली के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (DCP) के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में अंसारी ने अभिजीत दिपके से जुड़े लोगों पर पुणे और औरंगाबाद में उनके साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इन घटनाओं को लेकर दिल्ली पुलिस से कार्रवाई करने और अभिजीत दिपके की गिरफ्तारी की मांग की है।फैजान अंसारी का दावा है कि उनके साथ कथित मारपीट की घटनाएं अलग-अलग स्थानों पर हुईं और इस संबंध में पहले ही दो मामले दर्ज किए जा चुके हैं। अब उन्होंने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के सामने अपनी शिकायत रखकर मामले में आगे की कार्रवाई की मांग की है। अंसारी का आरोप है कि इन घटनाओं के पीछे अभिजीत दिपके से जुड़े लोगों की भूमिका रही है। शिकायत सामने आने के बाद मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, अंसारी की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

दो दमकलकर्मियों की मौत, ग्रेटर नोएडा की चिप फैक्टरी में भीषण आग

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक चिप बनाने वाली एक फैक्टरी में देर रात भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग बुझाने के दौरान फैक्टरी की दीवार और भारी लोहे का बीम अचानक गिर गया। मलबे की चपेट में आने से दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य दमकलकर्मी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक हादसा 3 और 4 अगस्त की दरमियानी रात ईकोटेक-3 इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ILGIM कंपनी के परिसर में हुआ। कंपनी में इलेक्ट्रॉनिक चिप्स और इससे जुड़े उपकरणों का निर्माण किया जाता है। देर रात फैक्टरी परिसर से आग की लपटें और धुआं उठता देखकर इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई।जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 10 फायर टेंडरों की मदद से आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया गया। दमकलकर्मी आग को नियंत्रित करने के साथ-साथ फैक्टरी के अंदर फंसे लोगों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे थे। इसी दौरान फैक्टरी की एक दीवार और भारी लोहे का बीम अचानक ढह गया।अचानक हुए इस हादसे में कई दमकलकर्मी मलबे की चपेट में आ गए। राहत और बचाव टीमों ने तुरंत मलबा हटाने का काम शुरू किया। हादसे में दो दमकलकर्मियों की जान चली गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है।आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। हालांकि, फैक्टरी के भीतर मौजूद मशीनरी और अन्य सामान को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। आग किस वजह से लगी, इसका तत्काल स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस और संबंधित विभाग घटना की जांच कर रहे हैं।

TVK-BJP ने DMK को घेरा

उदयनिधि स्टालिन के बयान पर विवाद

द्रमुक (DMK) नेता और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन एक कथित विवादित बयान को लेकर राजनीतिक विवाद में घिर गए हैं। तंजावुर में कावेरी नदी के मुद्दे पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान दिए गए उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को लेकर विपक्षी दलों ने उदयनिधि स्टालिन पर आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। विवाद बढ़ने के बाद तमिलागा वेत्री कझगम (TVK) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने DMK पर तीखा हमला बोला है।वायरल वीडियो में उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु की राजनीति और फिल्म जगत से जुड़े कुछ चर्चित नामों का संदर्भ लेते हुए टिप्पणी करते नजर आते हैं। आरोप है कि उन्होंने तमिल अभिनेता और TVK प्रमुख विजय तथा अभिनेत्री त्रिशा को लेकर कथित तौर पर द्विअर्थी टिप्पणी की। उनके बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। हालांकि, वायरल वीडियो के संदर्भ और बयान के पूरे अर्थ को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं, इसलिए पूरे भाषण का संदर्भ देखना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इस मामले को लेकर TVK और BJP नेताओं ने DMK की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का आरोप है कि सार्वजनिक मंचों से नेताओं को भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए और किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं को लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए, जिसे अशोभनीय माना जाए।वहीं, इस विवाद ने तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर सियासी बयानबाजी को तेज कर दिया है। कावेरी जल विवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान दिए गए बयान की जगह अब राजनीतिक चर्चा का केंद्र उदयनिधि स्टालिन की कथित टिप्पणी बन गई है।विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर DMK पर लगातार निशाना साध रहे हैं और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार भाषा के इस्तेमाल की मांग कर रहे हैं।

Air India Flight Turbulence:

फुकेत-दिल्ली फ्लाइट में जोरदार टर्बुलेंस, 15 यात्री और क्रू घायल

फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI 2379 में अचानक आए जोरदार टर्बुलेंस ने यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मचा दी। उड़ान के दौरान विमान को कुछ ही सेकंड के भीतर तेज झटके लगे, जिसके चलते कई यात्री अपनी सीटों से उछल गए। इस घटना में कम से कम 15 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें 11 यात्री और चार क्रू मेंबर शामिल बताए जा रहे हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई।यात्रियों के मुताबिक, उड़ान सामान्य रूप से चल रही थी और विमान में बैठे कई लोग सो रहे थे। उड़ान भरने के करीब डेढ़ घंटे बाद अचानक विमान में तेज झटके महसूस होने लगे। कुछ यात्रियों ने बताया कि ऐसा लगा जैसे विमान अचानक नीचे की ओर चला गया हो। इस दौरान कुछ लोग अपनी सीटों से ऊपर की ओर उछल गए और कई यात्रियों के सिर ओवरहेड कंपार्टमेंट से टकरा गए।अचानक आई अशांति के कारण ओवरहेड कंपार्टमेंट में रखा सामान भी नीचे गिर गया। इससे यात्रियों के बीच घबराहट फैल गई। कुछ यात्रियों ने बताया कि टर्बुलेंस का असर कुछ मिनट तक महसूस हुआ। घटना के बाद विमान में मौजूद लोगों को समझ नहीं आया कि अचानक क्या हुआ। कई यात्री डर के कारण चीखने लगे, जबकि घायल यात्रियों की मदद के लिए दूसरे लोग आगे आए।घायल यात्री की बेटी विवियाना ने घटना को बेहद डरावना बताया। उन्होंने कहा कि विमान पहले सामान्य रूप से उड़ रहा था, लेकिन अचानक तेज झटके शुरू हो गए। उनके मुताबिक, उनकी बहन सीट से उछल गई और उनकी मां के सिर पर चोट लगी। उन्होंने यह भी बताया कि आसपास बैठे कुछ अन्य यात्रियों को भी चोटें आईं। एक यात्री के चेहरे पर चोट लगने के बाद खून भी दिखाई दे रहा था।एक अन्य यात्री ने बताया कि घटना के समय सुबह का वक्त था और कई लोग सो रहे थे। अचानक विमान में तेज हलचल शुरू हुई और कुछ देर तक स्थिति बेहद असामान्य बनी रही। यात्री के अनुसार, टर्बुलेंस के दौरान करीब 15 से 20 लोगों को चोट लगने की स्थिति दिखाई दे रही थी।दिल्ली में विमान के उतरने के बाद घायल यात्रियों को मेडिकल सहायता दी गई। इस घटना ने एक बार फिर विमान में सीट बेल्ट बांधकर रखने की अहमियत को सामने ला दिया है। अचानक आने वाले टर्बुलेंस की स्थिति में सीट बेल्ट यात्रियों को चोट से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

रिलीज से पहले नया विवाद

श्री रामलीला महासंघ ने मांगी स्पेशल स्क्रीनिंग

रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' रिलीज से पहले ही चर्चा और विवादों में घिरती नजर आ रही है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर जहां दर्शकों में काफी उत्सुकता है, वहीं अब श्री रामलीला महासंघ ने फिल्म की रिलीज से पहले विशेष स्क्रीनिंग की मांग कर दी है। महासंघ ने फिल्म निर्माताओं को पत्र लिखकर अपने प्रतिनिधियों के लिए सिनेमाघरों में सार्वजनिक प्रदर्शन से पहले फिल्म दिखाने की मांग की है। महासंघ की ओर से यह कदम फिल्म के संभावित कंटेंट को लेकर जताई गई आशंकाओं के बीच उठाया गया है। संगठन का कहना है कि रामायण भारतीय समाज और हिंदू धार्मिक परंपरा से गहराई से जुड़ा विषय है। इसलिए फिल्म में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, रावण और अन्य प्रमुख पात्रों के चित्रण को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। महासंघ ने आशंका जताई है कि फिल्म में अगर किसी तरह के ऐसे दृश्य या प्रस्तुतीकरण को शामिल किया गया, जो हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत करता हो, तो इससे विवाद पैदा हो सकता है।

भगोड़ों पर मोदी सरकार का वैश्विक शिकंजा

दुनिया के 36 देशों से 274 भगोड़ों की भारत वापसी

वर्ष 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण, इंटरपोल सहयोग, भारतपोल नेटवर्क, नए आपराधिक कानूनों और आधुनिक तकनीक के जरिए केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई को नई गति दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में भारत ने भगोड़े अपराधियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ दी है। वर्ष 2019 से 2026 के बीच दुनिया के 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाकर मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि अब अपराध करके विदेश भाग जाना सुरक्षित विकल्प नहीं रह गया है। पहले की सरकारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव के कारण प्रत्यर्पण की प्रक्रिया वर्षों तक फाइलों में उलझी रहती थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे "मिशन मोड" में आगे बढ़ाकर कानून के शिकंजे को वैश्विक स्तर तक मजबूत किया। आज भारत ने एक ऐसा एकीकृत, खुफिया आधारित और अत्याधुनिक तकनीक से लैस मॉडल विकसित किया है, जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधियों का पता लगाकर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हुई है। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार की रणनीति तीन मजबूत स्तंभों— वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति पर आधारित रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि भगोड़े अपराधियों का मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और न्याय व्यवस्था से जुड़ा विषय है। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार ने लगातार कानूनी और संस्थागत सुधार किए हैं। हम आपको याद दिला दें कि मोदी सरकार ने वर्ष 2019 में NIA संशोधन अधिनियम और UAPA संशोधन अधिनियम लागू किए, जबकि वर्ष 2024 में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों में पहली बार BNSS की धारा 355 और 356 के माध्यम से 'ट्रायल इन ऐब्सेन्शिया' का प्रावधान किया गया। अब कोई अपराधी विदेश में बैठकर भारतीय कानून का मजाक नहीं उड़ा सकेगा; उसकी अनुपस्थिति में भी मुकदमा चल सकेगा और न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इंटरपोल और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया है। पिछले तीन वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए। वर्ष 2025 में लॉन्च किए गए भारतपोल (BHARATPOL) ने 1,400 से अधिक केंद्रीय और राज्य एजेंसियों को इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर सूचना साझा करने की प्रक्रिया को कई सप्ताह से घटाकर महज 3 से 10 दिन तक सीमित कर दिया है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने आर्थिक अपराधियों के खिलाफ भी अभूतपूर्व कार्रवाई की है। PMLA के सख्त क्रियान्वयन के चलते वर्ष 2019 से 2026 के बीच ₹17,874 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, जबकि ₹18,762 करोड़ की राशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। यह उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है जो देश का पैसा लूटकर विदेश भाग जाने का सपना देखते हैं। साथ ही विदेशों में नाम और पहचान बदलकर छिपे अपराधियों को खोजने के लिए 'ऑपरेशन त्रिशूल' चलाया गया, जिसमें सैटेलाइट तकनीक, डिजिटल फुटप्रिंट, जियो-लोकेशन और प्रोफाइल मैपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इससे यह साबित हुआ कि आधुनिक भारत की सुरक्षा एजेंसियों की पहुंच अब सीमाओं से कहीं आगे तक है।

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

लोकसभा नेता राहुल गांधी कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के महासचिव वाइको के संसदीय भाषणों के संकलन "वाइको इन पार्लियामेंट" पुस्तक के विमोचन के अवसर पर पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हर राज्य को अपनी बात कहने का अधिकार है। हर राज्य को अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपनी भाषा का अधिकार है। और यहाँ अचानक कुछ ऐसे नासमझ लोग आ गए हैं जो तमिल भाषा नहीं समझते, जो तमिल लोगों को नहीं समझते, जो मराठी लोगों को नहीं समझते, जो बंगाली लोगों को नहीं समझते, जो केरल के लोगों को नहीं समझते और कहते हैं कि 'नहीं, इनमें से कोई भी इतिहास काम का नहीं है, इनमें से कोई भी सोच काम की नहीं है, इनमें से कोई भी भाषा काम की नहीं है। राहुल ने आगे कहा कि सिर्फ़ वही भाषा और वही इतिहास ज़रूरी और काम का है जिसे RSS ने तय किया है।' असल में लड़ाई इसी बात की है। इसीलिए छात्र बाहर हैं। क्योंकि भारत कभी भी अपनी किसी भी संस्कृति, भाषा या इतिहास को किसी के भी द्वारा कुचले जाने को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने देश में एक अजीब दौर से गुज़र रहे हैं। छात्र सड़कों पर हैं। वे नौकरी, निष्पक्ष परीक्षा और एक बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। और दूसरी तरफ, हमारे प्रधानमंत्री हैं जो उन्हें माफ़ कर रहे हैं। उन्हें माफ़ करने वाले वे कौन होते हैं? उन्हें यह ख़याल कहाँ से आया कि उन्हें भारत के भविष्य को माफ़ करने का अधिकार है?

लाल सागर में भारतीय झंडे वाली कमर्शियल जहाज पर हुआ हमला

भारत-उज़्बेकिस्तान साझेदारी का नया अध्याय,

दुर्लभ खनिजों और व्यापार पर बढ़ा फोकस

भारत मध्य एशिया के भू-राजनीतिक में अब बड़ा कदम उठा रहा है और आने वाले वक्त में यह पूरी दुनिया की तकनीक और ऊर्जा की तस्वीर बदल देगी। उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव भारत विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात करते नजर आए। इस मुलाकात ने एक नई रणनीतिक साझेदारी की नींव रख दी है। चाहे वो डिफेंस हो, ट्रेड हो या फिर भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी दुर्लभ खनिज भारत और उज़्बेकिस्तान अब एक नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिए साथ में तैयार हैं। दरअसल उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव भारत के दौरे पर हैं। जहां पर उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अहम बैठक को अंजाम दिया है। इस मुलाकात की सबसे बड़ी और खास बात जो रही है वो है माइनिंग यानी कि खनन क्षेत्र में दोनों देशों का बढ़ता हुआ सहयोग। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ कह दिया कि अब वक्त आ गया है कि हमारे रिश्तों को कंस्ट्रक्शन, हेल्थ और डिजिटल सेक्टर से आगे बढ़ाकर जमीन के अंदर छिपे हुए खजाने तक ले जाया जाए। उज़्बेकिस्तान दुर्लभ खनिजों के मामले में बहुत समृद्ध देश है जो स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों और डिफेंस इक्विपमेंट बनाने में काम आता है। भारत अब

उज़्बेकिस्तान के साथ मिलकर खनिजों के खनन पर फोकस कर रहा है। इतना ही नहीं उज़्बेकी विदेश मंत्री ने भारतीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के साथ भी मुलाकात की है। और उस मुलाकात के दौरान भी इस बात पर जोर दिया गया कि एग्रीकल्चर और फार्मा के साथ-साथ आईटी और माइनिंग में भी असीम संभावनाएं हैं जिसे दोनों देश एक साथ मिलकर आगे बढ़ाएं। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्या कुछ कहा है पहले आप वो देखिए। फिलहाल भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच करीब $1 अरब डॉलर के आसपास का व्यापार होता है। लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नंबर काफी नहीं है और इसे कई गुना तक बढ़ाया जा सकता है।

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर बढ़ा तनाव,

ईरान ने अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का किया दावा

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर से चरम पर है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने दावा किया है कि उसने हॉर्मोज जलडमरूमध्य के ऊपर ओढ़ रहे एक अमेरिकी एमकेाइन रिपड ड्रोन को मार गिराया है। इसके साथ ही ईरान ने यह भी संकेत दिए हैं कि होमोस जलडम मध्य को लेकर उसकी रणनीति में बदलाव हो सकता है। लेकिन फिलहाल वह इस अहम समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोलने के पक्ष में नहीं है। इन घटनाओं ने पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव को और ज्यादा बढ़ा दिया है। आईआरजीसी के आधिकारिक मीडिया प्लेटफार्म सिपाह न्यूज़ के अनुसार अमेरिकी एम99 रिपेर ड्रोन को हॉर्मोज जलडमरूमध्य के ऊपर तैनात ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रोन को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रोन ने किस स्थान से उड़ान भरी थी। एम9 रिपर ड्रोन का इस्तेमाल मुख्य रूप से अमेरिकी वायुसेना निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हमलों के लिए करती है। 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के बाद से तेहरान लगातार अमेरिकी सैन्य गतिविधियों को चुनौती देता रहा है। ईरानी मीडिया का दावा है कि अब तक 30 से ज्यादा एम क्यूाइन रिपोन गिराए गए हैं। इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आरागची ने होमस जलडमरू मध्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ओमान के साथ जलडम मध्य के प्रबंधन को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उनके मुताबिक दोनों देशों के बीच नए शिपिंग रूट को लेकर सहमति बनने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने भी संकेत दिए हैं कि संबंध में जल्द ही कोई औपचारिक समझौता हो सकता है। हालांकि ईरान ने स्पष्ट किया है कि किसी नए समुद्री मार्ग पर सहमति बनने का अर्थ यह नहीं होगा कि हुरम जलडम्र मध्य को पूरी तरह खोल दिया जाए। तेहरान का कहना है कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और मौजूदा हालात को देखते हुए जलडू मंदिर में जहाजों की आवाजाही पर नियंत्रण बनाए रखा जाएगा। यानी नए शिपिंग रूट की व्यवस्था के बावजूद ईरान अपने रणनीतिक विकल्प अपने हाथ में रखना चाहता है। फिलहाल ईरान ने एक और एम9 रिपब ड्रोन को मार गिराया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध फिर हुआ तेज

मॉस्को, चार अगस्त (एपी) मॉस्को के आसपास के इलाके में यूक्रेनी ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जबकि यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि वहां रूसी हवाई हमलों में भी कम से कम पांच नागरिकों की जान चली गई है। दोनों ही देश पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में लगभग 1,250 किलोमीटर (800 मील) में फैले संघर्ष क्षेत्र में मारे गए या घायल हुए सैनिकों की संख्या उजागर नहीं करते हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि रूस के काला सागर तट पर स्थित रिसॉर्ट शहर अरखिपो-ओसिपोवका में सोमवार को हुए एक ड्रोन हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। मंगलवार सुबह, क्रास्नोडार क्षेत्रीय अधिकारियों ने घायलों की संख्या अद्यतन करते हुए 58 बताई, जिनमें से 21 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में एक ड्रोन को भीड़भाड़ वाले समुद्र तट से टकराते देखा गया, वीडियो में तेज गोलीबारी जैसी आवाजें भी सुनाई दे रही थीं। यूक्रेन ने इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मॉस्को क्षेत्र (जो रूसी राजधानी को घेरता है लेकिन खुद राजधानी का हिस्सा नहीं है) के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि मंगलवार सुबह एक यूक्रेनी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। वोरोब्योव ने कहा कि इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान चेखव नगर पालिका क्षेत्र में हुआ, जहां नोवोसेल्की औद्योगिक क्षेत्र में कई जगह आग लग गई। रूस के सबसे बड़े ऑनलाइन विक्रेता वाइल्डबेरीज पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी में, कंपनी ने मंगलवार को बताया कि सेंट पीटर्सबर्ग से सटे लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित उसके गोदाम में आग लग गई है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार सुबह रिपोर्ट दी कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में 320 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि का सबसे मजबूत आधार होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक और नैतिक विकास का साधन भी है। एक शिक्षित समाज ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकता है तथा आर्थिक और सामाजिक विकास को गति दे सकता है। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुधार और योजनाएँ लागू की गई हैं, फिर भी आज शिक्षा व्यवस्था कई गंभीर समस्याओं और चुनौतियों का सामना कर रही है।सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों की संख्या बढ़ने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सभी तक समान रूप से नहीं पहुँच पा रही है। अनेक सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, अपर्याप्त संसाधन, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों का अभाव तथा आधुनिक शिक्षण सामग्री की कमी विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है। दूसरी ओर, निजी शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस शिक्षा को महँगा बना रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो जाता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की असमानता भी एक गंभीर समस्या है। शहरों में जहाँ आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव देखने को मिलता है। डिजिटल शिक्षा के विस्तार के बावजूद इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की असमान उपलब्धता ने इस अंतर को और स्पष्ट कर दिया है।वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर परीक्षा-केंद्रित होने का आरोप भी लगाया जाता है। विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक कौशल विकसित करने के बजाय अधिक ध्यान अंकों और प्रमाणपत्रों पर दिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से वंचित रह जाते हैं। यही कारण है कि शिक्षित बेरोज़गारी की समस्या लगातार बढ़ रही है। शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का ह्रास भी चिंता का विषय है। प्रतिस्पर्धा की दौड़ में ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। साथ ही, मानसिक तनाव, परीक्षा का दबाव और करियर की अनिश्चितता विद्यार्थियों के समग्र विकास में बाधा उत्पन्न कर रही है। शिक्षा पर पर्याप्त निवेश, शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग, ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास तथा कौशल-आधारित और रोजगारोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। साथ ही, विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए।

बांकीपुर में बीजेपी की हार के बाद पीएम मोदी से मिले नीतीश कुमार

बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी की अप्रत्याशित हार और प्रशांत किशोर की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा नीतीश कुमार की मुलाकात ने बिहार में एनडीए की रणनीति और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज कर दी हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जिससे बिहार में NDA के भविष्य को लेकर राजनीतिक अटकलें तेज हो गईं। यह मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि यह बैठक बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के हाथों BJP को मिली चौंकाने वाली हार के ठीक बाद हुई है। इस उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,000 से ज़्यादा वोटों से हराया, जिससे बीजेपी को अपने सबसे मज़बूत चुनावी गढ़ों में से एक में बड़ा झटका लगा। बांकीपुर विधानसभा सीट 1995 से लगातार BJP के पास रही थी। इस सीट का प्रतिनिधित्व कई सालों तक स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने किया था, जिसके बाद उनके बेटे नितिन नवीन ने इसे संभाला और 2010, 2015, 2020 और 2025 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की। BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन के सीट छोड़ने पर उपचुनाव की ज़रूरत पड़ी। हालाँकि, BJP इस सीट को बचाने में नाकाम रही और प्रशांत किशोर ने अपने चुनावी डेब्यू में ही निर्णायक जीत हासिल की। यह नतीजा इसलिए भी खास था क्योंकि जन सुराज पार्टी नवंबर 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी, इसलिए BJP के गढ़ में उसकी जीत एक बड़ी राजनीतिक कामयाबी मानी जा रही है। इस नतीजे ने बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा को और तेज़ कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे सिर्फ़ उपचुनाव में उलटफेर से कहीं ज़्यादा अहम मान रहे हैं। बीजेपी के लंबे समय से गढ़ माने जाने वाले इस सीट पर मिली हार को कई लोग अगले विधानसभा चुनावों से पहले वोटरों की बदलती पसंद का संकेत मान रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, कई सालों तक चुनावी रणनीतिकार रहने के बाद प्रशांत किशोर ने खुद को एक वैकल्पिक राजनीतिक नेता के तौर पर पेश किया। 'जन सुराज' अभियान के ज़रिए उन्होंने शिक्षा, रोज़गार, पलायन और व्यवस्थागत सुधार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया; उनका कहना था कि इन मुद्दों ने चुनाव क्षेत्र के वोटरों को प्रभावित किया। बांकीपुर के नतीजे के ठीक बाद नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई मुलाक़ात ने NDA की रणनीति को लेकर अटकलों को और हवा दे दी

मानसून सत्र में आर-पार की तैयारी, एनडीए ने विपक्ष को घेरने का बनाया रोडमैप

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष ने हंगामे को ही अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक रणनीति बना लिया है। लेकिन जब दोनों सदनों में लगातार शोर-शराबे के कारण विधायी कामकाज प्रभावित हो रहा है, तब सत्तापक्ष ने भी जवाबी रणनीति का शंखनाद कर दिया है। मंगलवार को संसद परिसर में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' इसी रणनीतिक तैयारी का केंद्र बनी, जहां अगले दस दिनों के सत्र के लिए ऐसी विस्तृत फ्लोर रणनीति तैयार की गई, जिससे सरकार न केवल अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ा सके, बल्कि विपक्ष को संसद के भीतर ही राजनीतिक तौर पर जबरदस्त तरीके से घेर सके। संकेत साफ हैं। जहां विपक्ष का पूरा दांव हंगामे पर टिका है, वहीं एनडीए अब समन्वय, आंकड़ों और संगठित संसदीय प्रबंधन के सहारे विपक्ष को उसी के मैदान में धराशायी करने की तैयारी में है। हम आपको यह भी बता दें कि हाल के दिनों में इस बैठक का नाम 'मंगल मिलन' रखा गया है और अब यह एनडीए के संसदीय समन्वय का सबसे महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है। संसद सत्र के दौरान प्रत्येक मंगलवार को होने वाली इस बैठक में सरकार के विधायी एजेंडे, सदन में विभिन्न मुद्दों पर पार्टी का रुख, सांसदों की भागीदारी और सहयोगी दलों की भूमिका तय की जाती है। शिवसेना, जनता दल (यूनाइटेड), तेलुगु देशम पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी, जद(एस), राष्ट्रवादी सहयोगी दलों सहित सभी घटकों के बीच बोलने की जिम्मेदारियां भी इसी मंच पर बांटी जाती हैं ताकि सदन में सरकार का पक्ष एकजुट और प्रभावी ढंग से रखा जा सके। बैठक का एक बड़ा हिस्सा सरकार की उपलब्धियों को सांसदों तक विस्तार से पहुंचाने पर केंद्रित रहा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खेल क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि 2014 में अपनाई गई नई खेल नीति के बाद भारत ने ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है और स्वर्ण पदकों सहित कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का उद्देश्य इन उपलब्धियों को केवल खेल तक सीमित नहीं रखना, बल्कि इन्हें नए भारत की बदलती तस्वीर के रूप में जनता तक पहुंचाना भी है।

E20 पेट्रोल के विरोध में केजरीवाल का प्रदर्शन, 2.33 लाख हस्ताक्षरित याचिकाएं सरकार को सौंपीं

अरविंद केजरीवाल धरने से उठ गए हैं और उनके द्वारा लाई गई तकरीबन 2.30 लाख पिटीशन को गाड़ियों में भरकर सरकार को सौंप दिया गया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि, "E20 के खिलाफ़ 2 लाख 33 हज़ार से ज़्यादा लोगों की साइन की गई पिटीशन की कॉपी अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुँचा दी गई है। अब देश को प्रधानमंत्री के जवाब का इंतज़ार है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेताओं को प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करने से रोक दिया था। जिसके बाद वे E20 पेट्रोल के खिलाफ 2.30 लाख से ज़्यादा याचिकाएं सौंपने जा रहे थे। इसके बाद केजरीवाल ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, AAP नेता जैस्मीन शाह और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ फिरोज शाह रोड पर विरोध प्रदर्शन किया। सरकार की E20 पेट्रोल को बढ़ावा देने की नीति के खिलाफ देश भर से इकट्ठा की गई याचिकाएं सौंपने के लिए हुए इस मार्च में करीब 100 लोग शामिल हुए। कई लोगों का आरोप है कि इथेनॉल-मिश्रित ईंधन का वाहन मालिकों पर बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि, सरकार इस बारे में पहले ही स्पष्टीकरण दे चुकी है। मार्च से पहले समर्थकों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी देश भर के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित 2.30 लाख से अधिक याचिकाएं लेकर जा रही है और सरकार से करोड़ों वाहन मालिकों की चिंताओं को सुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा हम देश भर के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित 2.30 लाख से अधिक याचिकाओं के साथ प्रधानमंत्री के आवास पर जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि सरकार उन करोड़ों वाहन मालिकों की चिंताओं को सुने जो E20 पेट्रोल के कारण समस्याओं का सामना कर रहे हैं। AAP नेता अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के कारण 30 करोड़ वाहन खराब होने की कगार पर हैं। ढांडा ने कहा, "लोग बहुत परेशान हैं; वे मुश्किल में हैं। 30 करोड़ वाहन खराब होने की कगार पर हैं और प्रधानमंत्री किसी की बात नहीं सुन रहे हैं। इथेनॉल को केवल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में थोपा जा रहा है... वहां से बचा हुआ इथेनॉल भारत में खपाया जा रहा है, इसलिए मुझे लगता है कि यह सही नहीं है। लोगों की बात सुनी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री क्यों नहीं मिलेंगे? प्रधानमंत्री कह रहे थे कि वे युवाओं से भी नहीं मिलेंगे। फिर उन्हें मिलना पड़ा।

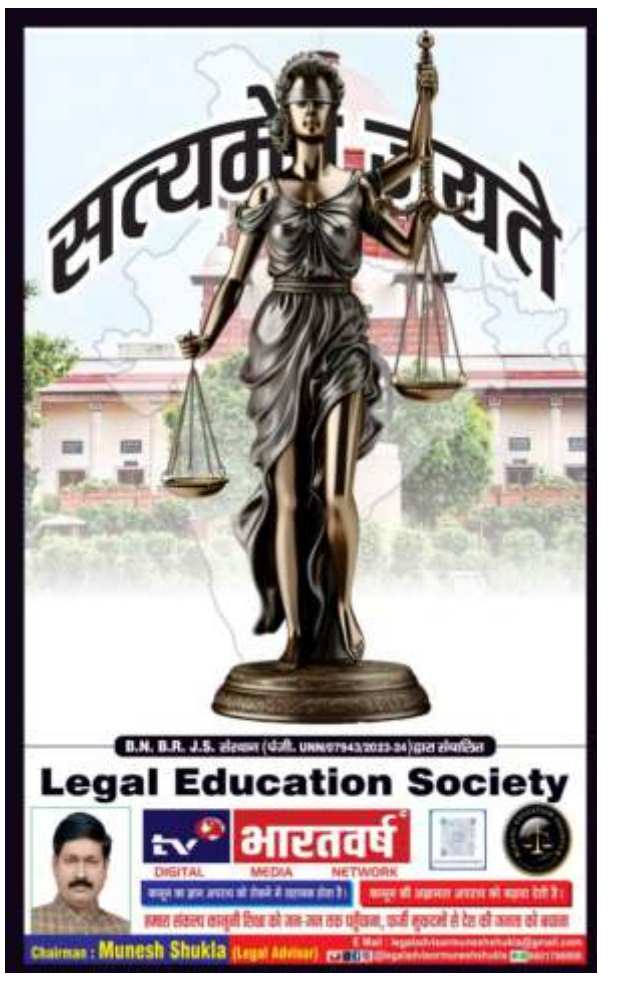

OUAT के PG-PhD छात्रों के लिए बड़ी खुशखबरी हर महीने ₹15 हजार तक मिलेगा स्टाइपेंड

उच्च शिक्षा और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए पोस्ट-ग्रेजुएट (PG) और PhD छात्रों के लिए स्टाइपेंड की घोषणा की गई है। इस पहल के तहत, चुने गए छात्रों को हर महीने ₹15,000 तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। इससे उन्हें पढ़ाई-लिखाई के खर्चों को संभालने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। इस योजना का उद्देश्य एडवांस्ड लर्निंग, रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देना है। ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (OUAT) में पोस्टग्रेजुएट (PG) और PhD प्रोग्राम कर रहे छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने एग्रीकल्चर और उससे जुड़े विषयों में रेगुलर PG और PhD कर रहे छात्रों के लिए हर महीने स्टाइपेंड देने का ऐलान किया है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों पर आर्थिक बोझ कम करना और उन्हें पढ़ाई और रिसर्च पर बेहतर ढंग से ध्यान लगाने में मदद करना है। स्टाइपेंड की यह स्कीम OUAT में एग्रीकल्चर और उससे जुड़े विषयों की पढ़ाई कर रहे सभी रेगुलर PG और PhD छात्रों पर लागू होगी। PTI के मुताबिक, नए फैसले के तहत एग्रीकल्चर में PhD कर रहे स्कॉलर्स को 3 साल तक हर महीने 15,000 रुपये दिए जाएंगे, जिससे उन्हें अपनी

रिसर्च और आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद मिल सकेगी। डिप्टी सीएम और एग्रीकल्चर और किसान सशक्तिकरण मंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने एग्रीकल्चर और उससे जुड़े कोर्स के लिए स्टाइपेंड देने की घोषणा की है।उन्होंने कहा कि इस आर्थिक मदद से स्टूडेंट्स अपने खर्चों की चिंता किए बिना रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दे पाएंगे। एग्रीकल्चर से जुड़े विषयों की पढ़ाई कर रहे योग्य PG छात्रों को दो साल तक हर महीने 10,000 रुपये का स्टाइपेंड मिलेगा। यह स्टाइपेंड स्कीम ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (OUAT) में एग्रीकल्चर और उससे जुड़े विषयों की पढ़ाई कर रहे सभी रेगुलर पोस्ट-ग्रेजुएट (PG) और PhD स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध होगी। मंत्री ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्वालिटी रिसर्च को बढ़ावा देना और ओडिशा के होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा रिसर्चर्स में निवेश करने का मतलब है ओडिशा के किसानों का भविष्य सुरक्षित करना। इस मदद से हमारे छात्र बिना किसी आर्थिक चिंता के नए इनोवेशन और रिसर्च पर ध्यान दे सकेंगे। राज्य सरकार के अनुसार, इस पहल से यूनिवर्सिटी का रिसर्च इकोसिस्टम मजबूत होगा, एडवांस्ड एग्रीकल्चरल रिसर्च में स्टूडेंट्स की भागीदारी बढ़ेगी और ओडिशा के एग्रीकल्चर सेक्टर के लंबे समय के विकास में मदद मिलेगी।

चाय के शौकीनों के लिए करियर का मौका, देश का पहला सर्टिफाइड Tea Testing Course

चाय के शौकीनों के पास अब अपने शौक को करियर में बदलने का मौका है। टी बोर्ड ऑफ इंडिया ने चाय उद्योग के लिए कुशल वर्कफोर्स तैयार करने के उद्देश्य से देश का पहला NCVET-अप्रूव्ड सर्टिफाइड टी टेस्टिंग कोर्स शुरू किया है। इन कोर्सेस से कैंडिडेट्स को टी टेस्टिंग, क्वालिटी इवैल्यूएशन और प्रोफेशनल टी असेसमेंट में ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे भारत के बढ़ते चाय सेक्टर में करियर के नए मौके बढ़ेंगे।बोर्ड ने 3 अगस्त 2026 को पश्चिम बंगाल के कर्सियांग में दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर में टी टेस्टिंग पर नेशनल काउंसिल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (NCVET) से अप्रूव्ड स्किल कोर्स शुरू किए हैं। टी बोर्ड ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वोबसाइट teaboard.gov.in के अनुसार, टी टेस्टिंग एक खास सेंसरी स्किल है, जिसका इस्तेमाल चाय की क्वालिटी की जांच, ब्लेंडिंग, ग्रेडिंग और मार्केट के लिए चाय चुनने में किया जाता है। टी इंडस्ट्री में एक टी टेस्टर स्टैंडर्ड सेंसरी तरीकों से चाय के लिकर का रंग, खुशबू, स्वाद, ताजगी, मजबूती और पीने के बाद के स्वाद की जांच करता है। इसके अलावा क्वालिटी और इंडस्ट्री की मांग पर भी ध्यान रखता है। सिलेबस को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के हिसाब से बनाया गया है। NCVET की मंजूरी मिलने के बाद ये कोर्स देश के फॉर्मल वोकेशनल एजुकेशन और ट्रेनिंग सिस्टम में शामिल हो गए हैं। इसमें स्किल स्टैंडर्ड, असेसमेंट और सर्टिफिकेशन शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में औकिब नबी का प्रवेश

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया का नया मिशन शुरू

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया का नया मिशन शुरू होने जा रहा है। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी, इसके लिए टीम श्रीलंका की जमीन पर कदम रख चुकी है। सभी खिलाड़ी दोपहर में भारत से निकले और कुछ ही देर बाद श्रीलंका पहुंच गए। वहां पहुंचने के कुछ फोटो और वीडियो सामने आए हैं, जो काफी अच्छे लग रहे हैं। टीम का इम्तिहान 7 अगस्त से शुरू हो जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी। इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान बीसीसीआई ने काफी पहले ही कर दिया था। हालांकि टीम के जाने से पहले एक बड़ा बदलाव किया गया है। जसप्रीत बुमराह अभी फिट नहीं हैं, इसलिए वे टीम से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह जम्मू कश्मीर के औकिब नबी को पहली बार भारतीय टीम में शामिल होने का मौका मिला है। अब इंतजार इस बात का किया जा रहा है कि क्या उन्हें खेलने का मौका मिलेगा या फिर ऐसे ही रह जाएंगे। इस बीच वैसे तो सीरीज का पहला मैच 15 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन इम्तिहान 7

अगस्त से ही शुरू हो जाएगा, क्योंकि इसी दिन से टीम इंडिया अपना प्रैक्टिस या यूं कहें वार्मअप मैच खेलेगी, जो कि श्रीलंका इलेवन के खिलाफ होगा। यहीं से पता चल जाएगा कि भारतीय टीम टेस्ट के लिए कितनी तैयार है। ये एक बड़ी परीक्षा होगी, क्योंकि सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। जहां टीम इंडिया की हालत काफी पतली नजर आ रही है। श्रीलंका क्रिकेट की ओर से टीम इंडिया का स्वागत किया गया और साथ ही उसके कुछ फोटो और वीडियो भी शेयर किए गए हैं, जिसमें भारतीय खिलाड़ी काफी खुश नजर आ रहे हैं।

बेन स्टोक्स ने हैरी ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने का समर्थन किया

बेन स्टोक्स इस बात से हैरान हैं कि हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कप्तान नहीं बनाया गया। 27 साल के ब्रूक अभी इंग्लैंड की टी20 और वनडे टीम के कप्तान हैं और टेस्ट टीम में उपकप्तान की भूमिका निभाते हैं। स्टोक्स चाहते थे कि ब्रूक को ही टेस्ट कप्तानी मिले, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी बात नहीं मानी और ब्रूक की जगह जो रूट को दोबारा टेस्ट कप्तान बना दिया। रूट इससे पहले भी 2017 से 2022 के दौरान इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रह चुके हैं, जिनकी कप्तानी में टीम ने 65 में से 27 टेस्ट मैच जीते थे।बेन स्टोक्स ने लव ऑफ क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा कि अगर आपको लगता है कि कोई खिलाड़ी अच्छा कप्तान बन सकता है, तो उसे यह जिम्मेदारी दे देनी चाहिए। उनका मानना था कि भले ही वह चयनकर्ताओं की बात समझते हैं, लेकिन हैरी ब्रूक को उपकप्तान होने के बावजूद कप्तान न बनाना समझ से बाहर है, खासकर तब जब मुख्य कप्तान खेल ही नहीं रहा था। इससे ब्रूक को गलत संदेश जाता है। दूसरी तरफ, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज स्टीफन फ्लेमिंग को अपनी टेस्ट टीम का नया हेड कोच बनाया है। फ्लेमिंग ने ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली है, जो अब सिर्फ वनडे और टी-20 टीमों के कोच रहेंगे। स्टोक्स ने आगे कहा कि मैं दिल से चाहता हूं कि रूट को पूरी कामयाबी मिले। मुझे उम्मीद है कि वह कप्तान के तौर पर बहुत आगे जाएंगे और बेहतरीन काम करेंगे। स्टीफन फ्लेमिंग एक बहुत अच्छे इंसान हैं, मैं उनके साथ पहले काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगता है कि रूट को उनके साथ काम करने में काफी मजा आएगा। लेकिन मैंने रूट से साफ-साफ कह दिया था कि मुझे सिर्फ उनकी ही चिंता है। जब वह पिछली बार कप्तान थे, तो मैंने खुद देखा था कि उन्होंने कितना तनाव और परेशानियाँ झेली थीं।

पुजारा का बड़ा बयान: जडेजा की गेंदबाजी में आया बदलाव

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के खेलने के तरीके में आए बदलाव पर ज़ोर दिया है। उन्होंने कहा है कि जडेजा अब सिर्फ़ रन रोकने के बजाय हर गेंद पर विकेट लेने की कोशिश करते हैं। अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ एकमात्र टेस्ट मैच न खेल पाने के बाद, जडेजा 15 अगस्त से श्रीलंका में शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज़ के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करने को तैयार हैं। JioStar के शो 'Follow The Blues' में सीरीज़ से पहले बात करते हुए, जडेजा के लंबे समय से साथी रहे पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट में उनकी बदलती सोच के बारे में कहा कि अब यह बॉलर अपनी खूबियों को अच्छी तरह जानता है और विकेट लेने के लिए स्टंप्स की सीध में बॉलिंग करने पर ध्यान दे रहा है। पुजारा ने कहा कि पहले, जब रवींद्र जडेजा बॉलिंग करते थे, तो उनकी सोच ज़्यादा रन न

देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी भी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच बॉलर्स के लिए मददगार नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी खूबियों को समझ लिया है और उसी के हिसाब से बॉलिंग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर मैच में, वह गेंद को स्टंप्स की लाइन में डालने और बल्लेबाज़ को आउट करने की कोशिश करते हैं। पहले उनकी सोच थोड़ी ज़्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। इससे आप अपने खेल के बारे में थोड़ा और सोचते हैं। आप क्रीज़ का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद फेंकने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज़ के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत ज़रूरी है।

वजह जानकर लोग बोले- इन्हें जज मत करो

न्यूज पढ़ते-पढ़ते सो गईं एंकर

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक न्यूज एंकर लाइव बुलेटिन के दौरान कुछ सेकंड के लिए ऊंघती हुई नजर आती हैं.

कैमरे में कैद हुआ यह छोटा सा पल देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया. शुरुआत में लोगों को लगा कि अब एंकर को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जाएगा, लेकिन इस बार तस्वीर बिल्कुल अलग देखने को मिली. लोगों ने उनका मजाक उड़ाने के बजाय उनका समर्थन किया और कहा कि किसी भी इंसान को उसकी एक छोटी सी गलती के आधार पर जज नहीं करना चाहिए. यह वीडियो अमेरिका के मेम्फिस शहर के FOX13 न्यूज चैनल का है. वीडियो में दिखाई देने वाली एंकर

का नाम डोमिनिक डिलन है. वह लाइव न्यूज बुलेटिन पढ़ रही थीं. इसी दौरान कुछ सेकंड के लिए उनकी आंखें बंद हो गईं और ऐसा लगा जैसे उन्हें हल्की सी झपकी आ गई हो. यह पूरा पल कैमरे में रिकॉर्ड हो गया और बाद में इसकी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. लाखों लोगों ने इस वीडियो को देखा और इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी.

वायरल हुई दिल्ली के युवक की कहानी

पहली डेट पर ₹20,500 का झटका!

पहली डेट हर किसी के लिए खास होती है. लोग उम्मीद करते हैं कि इस मुलाकात में अच्छी बातचीत होगी, एक-दूसरे को जानने का मौका मिलेगा और यादगार पल बनेंगे. लेकिन दिल्ली के एक 23 साल के युवक के साथ ऐसा नहीं हुआ. डेटिंग ऐप पर हुई पहली मुलाकात उसके लिए ऐसा अनुभव बन गई, जिसे वह शायद कभी नहीं भूल पाएगा.

युवक ने अपनी पूरी कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर की. उसने बताया कि पहली डेट पर उसे ₹20,500 का बिल भरना पड़ा. हालांकि उसे पैसों से ज्यादा इस बात का दुख है कि पूरी मुलाकात के दौरान उसे ऐसा महसूस हुआ कि शायद उसके साथ कुछ गलत हुआ है. युवक ने बताया

कि कुछ दिन पहले उसकी एक लड़की से डेटिंग ऐप पर बात शुरू हुई थी. दोनों ने उसी दिन मिलने का फैसला कर लिया.

उसने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह 23 साल का है, कभी किसी रिलेशनशिप में नहीं रहा और लड़कियों के साथ इस तरह की मुलाकात का यह उसका पहला अनुभव था. इसलिए वह काफी उत्साहित भी था और थोड़ा नर्वस भी. उसने सोचा था कि दोनों किसी कैफे में बैठकर बातें करेंगे और एक-दूसरे को जानेंगे. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. युवक के मुताबिक, लड़की उसे मेट्रो स्टेशन से लेकर एक पब में पहुंची. उसने बताया कि वह पहले कभी पब नहीं गया था, इसलिए उसे वहां के माहौल और मेन्यू के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी.

थिएटर में चले लात-घूंसे!

फिल्म का स्पॉइलर सुनते ही मचा बवाल

नई स्पाइडर-मैन फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान कथित तौर पर एक दर्शक ने फिल्म के अहम सीन बताने शुरू कर दिए. वायरल वीडियो में इसके बाद थिएटर के अंदर बहस और धक्का-मुक्की होती दिखाई दे रही है.

अगर आप भी फिल्म देखते समय कोई स्पॉइलर सुनना पसंद नहीं करते, तो यह खबर आपको चौंका सकती है. नई स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक दर्शक ने कथित तौर पर फिल्म के अहम सीन पहले ही बताने शुरू कर दिए.

इसके बाद थिएटर में ऐसा हंगामा हुआ कि मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वायरल एक पोस्ट के मुताबिक, चार दोस्त नई स्पाइडर-मैन फिल्म देखने पहुंचे थे. उनके बगल में बैठा एक युवक पहले ही यह फिल्म देख चुका था और अपनी महिला मित्र को फिल्म के आगे आने वाले सीन और बड़े ट्विस्ट बताने लगा.

पोस्ट में दावा किया गया है कि युवक बार-बार स्पॉइलर देता रहा. इससे आसपास बैठे दूसरे दर्शकों का फिल्म देखने का मजा खराब होने लगा. कुछ देर बाद चारों दोस्तों ने युवक का विरोध किया और उसे ऐसा करने से मना किया. बताया जा रहा है कि पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में थिएटर के अंदर कई लोग एक-दूसरे से बहस करते और हाथापाई करते दिखाई दे रहे हैं. हालांकि, वहां मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया.

सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. कई यूजर्स का कहना है कि फिल्म का स्पॉइलर बताना गलत है, क्योंकि इससे पहली बार फिल्म देखने वाले लोगों का पूरा अनुभव खराब हो जाता है. वहीं कई लोगों ने यह भी कहा कि किसी भी स्थिति में हिंसा सही नहीं मानी जा सकती. कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लोगों से अपील की कि अगर वे कोई फिल्म पहले देख चुके हैं, तो थिएटर के अंदर उसके अहम सीन, क्लाइमैक्स या पोस्ट-क्रेडिट सीन के बारे में दूसरों को न बताएं.

जनरल डिब्बे में पंखा साथ लेकर चढ़ गया शख्स

भारतीय रेल को देश की लाइफलाइन कहा जाता है. हर दिन करोड़ों लोग ट्रेन से सफर करते हैं. लेकिन समय-समय पर रेलवे से जुड़े ऐसे वीडियो भी वायरल होते रहते हैं, जो यात्रियों की लापरवाही और सार्वजनिक संपत्ति के गलत इस्तेमाल पर सवाल खड़े करते हैं. कभी सीट को लेकर मारपीट, कभी सीट का कवर काटने की घटना, तो कभी ट्रेन में आग लगाने जैसी घटनाओं के वीडियो सामने आ चुके हैं.

क्या गोरा रंग तय करता है सुंदरता

रामायण की नई 'सीता' पर बवाल क्यों?

शिखर नेगी, आजतक

अगर मैं आपसे कहूं कि एक पल के लिए अपनी आंखें बंद करके सीता की कल्पना कीजिए, तो यकीनन आपके मन में एक बेहद परिचित तस्वीर उभरेगी. बेदाग गोरी रंगत, लंबे काले बाल, सलीके से किया गया मेकअप, रेशमी साड़ी और भारी-भरकम गहनों से सजी एक दिव्य स्त्री. लेकिन जरा ठहरकर सोचिए क्या यह छवि सचमुच वाल्मीकि रामायण या रामचरितमानस की सीता है, या दशकों से टीवी धारावाहिकों, फिल्मों और कैलेंडर आर्ट के जरिए हमारे मन में उनकी ऐसी छवि गढ़ दी गई है? नितेश तिवारी की फिल्म रामायण के ट्रेलर में साई

पल्लवी की कुछ सेकेंड की झलक ने इसी धारणा को चुनौती दी है. सोशल मीडिया पर उनके अभिनय से ज्यादा उनकी त्वचा के रंग और घुंघराले बाल चर्चा का विषय बन गए हैं. रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली दीपिका चिखलिया ने भी साई पल्लवी के घुंघराले बालों पर टिप्पणी की.

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे रणदीप

असम बाढ़ में इस साल मृतकों की संख्या 82 तक पहुंच गई है. हजारों लोग अभी भी बेघर हैं. असम डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (ASDMA) के अनुसार, राज्य में फिलहाल 54 राहत शिविर चल रहे हैं, जहां 12,994 बेघर लोग आश्रित हैं. 26 राहत वितरण केंद्रों से 5,384 लोगों को मदद मिल रही है. रणदीप हुड्डा एक NGO द्वारा शिवसागर में आयोजित बाढ़ राहत वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेने असम पहुंचे. उन्हें पीड़ितों के बीच लंगर बांटते और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाते देखा गया. रणदीप ने शनिवार को शिवसागर में बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और रेलवे स्टेशन पर जरूरी सामान वितरित किया.

डेढ़ साल की रुकावट के बाद तैयार हुआ केसरी खेड़ा ओवरब्रिज

अब नहीं लगेगा रेलवे क्रॉसिंग पर लंबा जाम

करीब 84 करोड़ रुपये की लागत से बना 974 मीटर लंबा फ्लाईओवर अंतिम चरण में है। इसके शुरू होने से केसरी खेड़ा सहित आसपास की दर्जनों कॉलोनियों के लगभग तीन लाख लोगों को रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम और लंबी दूरी की परेशानी से राहत मिलेगी।

लखनऊ के केसरी खेड़ा में डेढ़ साल तक हवा में अटका रहा ओवरब्रिज बनकर तैयार हो गया है। रेलवे क्रॉसिंग पर बना यह फ्लाईओवर जल्द ही आम लोगों के लिए खुल जाएगा। हालांकि लोगों ने आना-जाना अभी शुरू कर दिया है। 17 जुलाई 2023 को इस ओवरब्रिज का काम शुरू हुआ था, लेकिन इसके बीच में एक कॉम्प्लेक्स आने के कारण जून 2024 से जून 2025 तक तक काम रुका रहा। इसके बाद कॉम्प्लेक्स तोड़ा गया, फिर दोबारा काम शुरू हुआ। अब फ्लाईओवर का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। 974 मीटर लंबे इस ओवरब्रिज के निर्माण पर करीब 84 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। फिलहाल ओवरब्रिज के उद्घाटन से पहले फिनिशिंग टच दिया जा रहा है। दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट लगाने, रंगाई-पुताई का कम चल रहा है। फ्लाईओवर शुरू होने का क्षेत्र के लोगों को बेसब्री से इंतजार है। लोगों का कहना है कि इसके शुरू होने से रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी। पहले यहां अक्सर जाम में एंबुलेंस फंस जाया करती थीं। कई बार मरीज दम भी तोड़ देते थे। ओवरब्रिज निर्माण के दौरान बीच में एक 4 मंजिला कॉम्प्लेक्स आ गया था। इसके चलते पुल का निर्माण कार्य रोकना पड़ा। करीब एक साल तक काम बंद रहा। इस दौरान 3 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले 3 लाख से अधिक लोगों को रोजाना जाम से जूझना पड़ा। वहीं, स्थानीय व्यापारियों का कारोबार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्थानीय निवासी दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि ये फ्लाईओवर 3 लाख लोगों की राहत का जरिया बनेगा। जब से निर्माण शुरू हुआ है विगत 3 सालों से आवागमन में बहुत परेशानी हो रही है। स्कूल छूटने के बाद बच्चे घंटों जाम से जूझते हैं। इसे देख कर अब राहत की सांस ले रहे हैं। इस इलाके का बहुत बड़ा काम हुआ है। हम लोग बहुत खुश हैं। पुल शुरू होने से केसरी खेड़ा के साथ मानस नगर, विजय नगर, चुन्नू खेड़ा, प्रसादी खेड़ा, पंडित खेड़ा, शुभम सिटी, गोकुल स्टेट, बालकृष्ण नगर समेत दर्जनों कॉलोनी के लोगों को राहत मिलेगी। हंसखेड़ा के रहने वाले डेविड रावत ने बताया कि पुल निर्माण से बहुत राहत होगी। क्रॉसिंग पर चार पहिया वाहन के कारण जाम लगता है। रास्ता खराब होने की वजह से कई बार दोपहिया वाहन हादसे का शिकार होते थे। फ्लाईओवर न होने की वजह से 6 किलोमीटर घूम कर आना-जाना पड़ता है। 70 साल की मां हैं। उनका लोकबंधु अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुल के शुरू हो जाने से सबसे बड़ी राहत मां को अस्पताल ले जाने में होगी।

अवंती बाई अस्पताल में I-KMC की शुरुआत

लखनऊ के वीरांगना अवंती बाई महिला चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत मंगलवार को इमीडिएट कंगारू मदर केयर की शुरुआत की गई। इस पहल से कम वजन और समय से पहले जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को जन्म के तुरंत बाद मां या परिवार के सदस्य के त्वचा से त्वचा संपर्क के माध्यम से बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है। भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार, कम वजन और समय से पहले जन्मे नवजातों को जन्म के तुरंत बाद कंगारू मदर केयर देना आवश्यक है। अस्पताल के लेबर रूम में जन्मी एक बच्ची को उसकी दादी ने इमीडिएट KMC देते हुए वार्ड में शिफ्ट किया। इस नई व्यवस्था का शुभारंभ प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. ज्योति मेहरोत्रा और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय दोहरे ने किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सलमान खान ने KMC बाइंडर के जरिए इमीडिएट कंगारू मदर केयर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि I-KMC अपनाने से नवजात मृत्यु दर में 25 प्रतिशत तक कमी, नवजात संक्रमण के मामलों में 18% तक कमी और हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान कम होने) से 35% तक बचाव संभव है।

लखनऊ पुलिस ने पकड़ा दुबई गोल्ड स्मगलिंग रैकेट

लखनऊ पुलिस ने दुबई से सोना तस्करी करने वाले गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सोने के बुरादे से भरा कैप्सूल बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य भारत के अलग-अलग राज्यों और खाड़ी देशों खासकर दुबई में सक्रिय हैं। दुबई व अन्य देशों को सक्रिय सदस्य वहां से सोना भेजवाते हैं। भारत के सदस्य उसे यहां खपाते हैं। डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुस्ताक ने मंगलवार दोपहर 3 बजे बताया कि बलिया के बेल्थरा रोड निवासी महबूब आलम ने 3 अगस्त को सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि वह 27 जुलाई को दुबई से अमौसी एयरपोर्ट पहुंचा था। एयरपोर्ट के बाहर दीपक वर्मा, राम प्रताप दुबे, अर्शदीप और उनके साथियों ने उन्हें झांसा देकर काली ब्रेजा कार में बैठा लिया। काफी देर तक इधर-उधर घुमाने के बाद उसका ट्रॉली बैग लेकर उसे आलमबाग बस अड्डे के पास उतार दिया। डीसीपी ने बताया कि मामले में FIR दर्ज करके जांच शुरू की गई। पुलिस और सर्विलांस टीम करीब 130 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांचकर आरोपियों तक पहुंच गई। मंगलवार को पुलिस ने बलरामपुर निवासी दीपक वर्मा और राम प्रताप दुबे को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से महबूब का सामान व सोने के बुरादे से भरा कैप्सूल बरामद किया। कैप्सूल में 203.92 ग्राम सोने का बुरादा मिला है, जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए है। डीसीपी मोहम्मद मुस्ताक ने बताया कि आरोपियों के गैंग में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब समेत कई राज्यों के सदस्य शामिल हैं। गिरोह के सदस्य खाड़ी देशों खासकर दुबई में ऐसे भारतीयों की तलाश करते हैं, जो किसी वजह से जल्दी भारत लौटना चाहते हैं। उन्हें शॉपिंग, नकद रुपए और हवाई टिकट का लालच देकर सोने की तस्करी के लिए उन्हें कैरियर बनाते हैं। सोने के बुरादे को कंडोम में पैक कर कैप्सूलनुमा आकर बनाते हैं। इसके बाद उसे रेक्टस (पीछे के रास्ते) शरीर में डाल देते हैं। कैरियर भारत आते हैं तो एयरपोर्ट पर ही गिरोह के सदस्य उन्हें मिल जाते हैं और उनसे कैप्सूल ले लेते हैं।

यूपी में छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग तेज

उत्तर प्रदेश में लंबे समय से बंद पड़े छात्रसंघ चुनावों की बहाली की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश महासचिव अवनीश कुमार यादव ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को ज्ञापन सौंपकर छात्रसंघ चुनाव जल्द बहाल कराने की मांग की। साथ ही विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन समाजवादी पार्टी के विधायकों डॉ. संग्राम यादव, कमाल अख्तर और सचिन यादव के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष तक पहुंचाया गया। इसमें कहा गया कि छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें बंद किए जाने से छात्रों को नेतृत्व विकसित करने का अवसर नहीं मिल रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि छात्रसंघ चुनावों के माध्यम से ही युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रहितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए छात्रसंघ आवश्यक हैं। चुनाव बंद होने से छात्रों की आवाज कमजोर हुई है और शैक्षणिक संस्थानों में छात्र प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है। समाजवादी छात्र सभा ने नेता प्रतिपक्ष से आग्रह किया कि उत्तर प्रदेश में छात्रसंघ चुनावों की बहाली का मुद्दा विधानसभा में उठाया जाए और सरकार पर चुनाव कराने के लिए दबाव बनाया जाए। संगठन ने कहा कि प्रदेश का छात्र समुदाय इस मांग को लेकर उनके साथ खड़ा रहेगा।

बाइक सवार युवकों ने स्कूल वैन के शीशे तोड़े

लखनऊ में सोमवार सुबह 7 बजे बाइक सवार कांवड़ियों ने स्कूल वैन में तोड़फोड़ की। डरकर वैन सवार बच्चे चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे। ड्राइवर भाग गया। मौके पर भीड़ जुटने पर कांवड़िए भाग गए। इस दौरान लोगों ने मोबाइल से उनका वीडियो बना लिया। सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पता चला कि वैन के हल्के टक्कर के बाद कांवड़ियों ने हमला किया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि कांवड़िए के भेष में युवकों ने स्कूल वैन पर हमला किया है। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। वीडियो के जरिए उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना चौक क्षेत्र के चरक चौराहे पर हुई। एसीपी चौक के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 7 बजे कुछ लोग कांवड़ियों के भेष में बाइक से जा रहे थे। चरक चौराहे पर उनकी बाइक स्कूल वैन से टक्करा गई। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। बाइक सवार युवकों ने किसी भारी चीज से स्कूल वैन के शीशे पर वार कर दिया, जिससे शीशा टूट गया।

प्रदेश में ई-नगर सेवा की बड़ी पहल, 45 दिन में शुरू होगी नई सुविधा

लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अब एक ही इंटीग्रेटेड वेबसाइट पर टैक्स जमा होगा। इसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। आने वाले 45 दिनों के अंदर यह सुविधा शुरू हो जाएगी। नगर निकाय विभाग की तरफ से इसकी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं, ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। इसी वेबसाइट पर जमीन और संपत्ति के दाखिल खारिज का काम भी लोग करा सकेंगे। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि सुविधा का लाभ आम जनता को देने के लिए यह फैसला नगर निकाय विभाग की तरफ से लिया गया है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल नगर निगम की तरफ से संपत्तियों की जानकारी को अपलोड किया जा रहा है। अभी तक नगर निगम लखनऊ की तरफ से 7 लाख 68 हजार 789 पॉपर्टी की जानकारी ई नगर सेवा यूपी वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। फिलहाल, नगर निगम लखनऊ की तरफ से 41 हजार संपत्तियों की जानकारी और अपलोड करनी है, जो आने वाले दो दिनों के अंदर पूरी हो जाएगी। इसके करीब 45 दिनों के अंदर यहीं से लोग अपनी पॉपर्टी का टैक्स जमा कर सकेंगे। इसके साथ ही संपत्तियों की दाखिल खारिज भी हो सकेगी। सरकार की तरफ से व्यापारियों को सुविधा देने के लिए ट्रेड लाइसेंस इसी वेबसाइट के माध्यम से आवंटित किए जा रहे हैं, जहां पर वन विंडो क्लियरेंस की सुविधा है। फिलहाल, आने वाले दिनों में यहां पर लोग पॉपर्टी टैक्स, म्यूटेशन, पानी और सिवेज कनेक्शन, खाने की एनओसी और फायर एनओसी भी ले सकेंगे। इसके साथ ही टयूबवेल लगाने की एनओसी के लिए भी यहां से आवेदन किया जा सकेगा। लोग यहीं से डेथ और बर्थ सर्टिफिकेट के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। इसी वेबसाइट के लिंक https://e-nagarsewaup.gov.in/ulbappsmain/home पर जाकर लाेगों को आवेदन करना होगा। लखनऊ नगर निगम की वेबसाइट https://lmc.up.nic.in/ पर भी यह लिंक मौजूद रहेगा, जहां पर क्लिक करने पर यह सीधे ई नगर सेवा की वेबसाइट पर आवेदक को पहुंचा देगा। अधिकारियों का कहना है कि आम जनता को सुविधा देने के लिए यह इंटीग्रेटेड प्लेटफार्म डेवलेप किया गया है। ताकि लोगों को लाभ मिले। उन्हें भटकना न पड़े।

सीएम योगी ने उन्नाव पुलिस की कार्यशैली की सराहना, अपराधियों पर सख्ती के दिए निर्देश

उन्नाव के एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने सोमवार शाम लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जनपद की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस की हालिया कार्रवाइयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उन्नाव पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों, प्रभावी पुलिसिंग, संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने वाली पहल पर संतोष जताया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में हर हाल में कानून का राज कायम रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम जनता की शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी न बरती जाए। बैठक में हाल ही में चर्चित बाबा हत्याकांड का भी उल्लेख किया गया। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने मामले की विवेचना, आरोपियों की तलाश और मुख्य आरोपी के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने तक की कार्रवाई की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण में पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्त नीति जारी रखने पर जोर दिया। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री को जनपद में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, यातायात व्यवस्था तथा आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस लगातार अभियान चलाकर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी कर रही है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने, संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्नाव पुलिस पिछले कुछ समय से अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। कई चर्चित मामलों का त्वरित खुलासा, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में की गई कार्रवाई के चलते जनपद की पुलिसिंग चर्चा में रही है। मुख्यमंत्री से एसएसपी जयप्रकाश सिंह की यह

उन्नाव में बारिश से मिली राहत, तेज हवा से पेड़ गिरे और बिजली आपूर्ति प्रभावित

उन्नाव में सोमवार शाम से देर रात तक रुक-रुक कर हुई बारिश ने उमस और गर्मी से लोगों को राहत दिलाई। बारिश से धान समेत खरीफ की फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि, तेज हवा और बारिश के चलते कई स्थानों पर पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। सरोसी-परियर मार्ग पर मैनीखेड़ा गांव के पास एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर सदर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा ने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजकर पेड़ हटाने और यातायात जल्द बहाल कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मार्ग को सुचारू करने का कार्य शुरू कराया गया।तेज हवाओं के कारण जिले के कई क्षेत्रों में पेड़ों की शाखाएं टूटकर बिजली लाइनों पर गिर गईं, जिससे कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। देर रात तक बिजली विभाग की टीमें फॉल्ट ठीक करने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी रहीं।

कर्तव्य पर शहीद होमगार्ड के परिवार को 30 लाख की सहायता

उन्नाव में ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले होमगार्ड स्वयंसेवक हरिशंकर के परिवार को 30 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने दिवंगत होमगार्ड की पत्नी गुड़िया देवी को बीमा एवं अनुग्रह सहायता राशि का चेक सौंपा। जिला कमांडेंट होमगार्ड धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि हरिशंकर का 14 जनवरी 2026 को ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि यह सहायता राशि मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप होमगार्ड विभाग और एचडीएफसी बैंक की टाकी नगर शाखा के बीच हुए समझौते के तहत निर्धारित शर्तों की पूर्ति के बाद उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना ही नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा रहना भी है। उन्होंने भविष्य में भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और दिवंगत होमगार्ड हरिशंकर की कर्तव्यनिष्ठ सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कमांडेंट धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि आश्रित परिवार को अतिरिक्त आर्थिक सहायता दिलाने के लिए होमगार्ड मुख्यालय को पांच लाख रुपये की अनुग्रह सहायता स्वीकृत कराने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद यह राशि भी परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी। सहायता राशि मिलने पर गुड़िया देवी ने प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन और होमगार्ड विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक, टाकी नगर शाखा के शाखा प्रबंधक संदीप शर्मा, एडीसी रमेश वर्मा, पीसीपी गजराज सिंह, कंपनी इंचार्ज दीपक सिंह सहित होमगार्ड विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगा का बढ़ता जलस्तर बना चिंता का कारण, निचले इलाकों का एडीएम ने किया निरीक्षण

उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जो मंगलवार को चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। मंगलवार शाम करीब पांच बजे अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड ने गंगाघाट क्षेत्र के निचले इलाकों का निरीक्षण किया और बाढ़ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, संभावित बाढ़ प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान एडीएम के साथ नगर पालिका परिषद गंगाघाट के अधिशासी अधिकारी और तहसीलदार मनीष द्विवेदी सहित राजस्व तथा नगर पालिका के अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने कर्बला, राजीव नगर घाट और आसपास के निचले क्षेत्रों का दौरा कर जलस्तर की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उन स्थानों का भी निरीक्षण किया जहां गंगा का पानी धीरे-धीरे आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है। एडीएम सुशील कुमार गोंड ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ चौकियों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए और राजस्व कर्मी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तो प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। राहत शिविर, पेयजल, भोजन, दवा, पशुओं के चारे और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। नगर पालिका अधिकारियों को निचले इलाकों में साफ-सफाई, जलनिकासी और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया है। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नाव, राहत सामग्री और आपदा प्रबंधन से जुड़े संसाधनों को भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। गौरतलब है कि लगातार हो रही बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से छोड़े जा रहे पानी के कारण उन्नाव में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के काफी करीब पहुंच चुका है। इसके चलते कर्बला, राजीव नगर, सैय्यद कंपाउंड, गोताखोर क्षेत्र सहित कई तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

उन्नाव में जमीन कब्जे को लेकर विवाद, महिला ने पुलिस पर भी लगाए गंभीर आरोप

उन्नाव के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर एक महिला ने मारपीट, छेड़छाड़ और लूट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। सैता गांव निवासी रुकैया खान पत्नी आरिफ खान का आरोप है कि उनकी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस मामले में न्यायालय ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। हाल ही में भाई के निधन के बाद वह उन्नाव लौटीं और अपनी जमीन की साफ-सफाई के लिए जेसीबी मशीन लगवाई थी। रुकैया खान का आरोप है कि जमीन की सफाई के दौरान विपक्षी पक्ष मौके पर पहुंच गया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी, डंडे, बेल्ट, हंसिया और अन्य धारदार हथियारों से उन पर और उनके साथ मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। इस मारपीट में उन्हें गंभीर चोटें आईं। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद वह फतेहपुर चौरासी थाने पहुंचीं, लेकिन उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उनका आरोप है कि इसके बजाय पुलिस ने उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लिया। उन्होंने दावा किया कि उनके पास मेडिकल रिपोर्ट सहित घटना से जुड़े अन्य साक्ष्य मौजूद हैं।

उन्नाव में चलती बाइक पर खतरनाक स्टंट का वीडियो वायरल, यातायात पुलिस ने शुरू की जांच

उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में रायबरेली-लालगंज मार्ग पर एक युवक द्वारा चलती बाइक पर खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मंगलवार सुबह सामने आए इस वीडियो के बाद यातायात पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा युवक इंस्टाग्राम पर "छोटा राइडर" नाम से सक्रिय है। वीडियो में वह एक महंगी बाइक पर तेज रफ्तार में स्टंट करता नजर आ रहा है। एक क्लिप में युवक बाइक चलाते समय हैंडल से दोनों हाथ छोड़ देता है, जबकि अन्य वीडियो में भी वह यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए खतरनाक करतब करता दिख रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सार्वजनिक सड़क पर ऐसे स्टंट न केवल स्टंट करने वाले की जान को जोखिम में डालते हैं, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा करते हैं। ऐसे कृत्य किसी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। मामले की जानकारी मिलते ही यातायात पुलिस सक्रिय हो गई है। यातायात निरीक्षक सुनील सिंह ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए उसकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो की सत्यता, घटना के स्थान और समय की पुष्टि करने के साथ ही बाइक चालक की पहचान करने में जुटी है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि जांच में वीडियो सही पाया जाता है, तो संबंधित युवक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत चालान और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या राम मंदिर प्रकरण पर गरमाई सियासत,

विधानसभा में योगी ने विपक्ष को दिया करारा जवाब

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर आस्था और न्यायिक प्रक्रिया का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच और ट्रस्ट की कार्रवाई के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की आलोचना करते हुए इसे भारत की आस्था पर हमला बताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज विधानसभा में पूरे राज्य ने समाजवादी पार्टी और विपक्ष का व्यवहार देखा। यह व्यवहार न केवल सदन का अपमान है, बल्कि अलोकतांत्रिक और शर्मनाक भी है। सदन नियमों और परंपराओं से चलता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यप्रणाली और कामकाज के नियमों के नियम 59 के तहत यह पहले से तय है कि किसी ट्रिब्यूनल या आयोग के पास लंबित किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में, यदि अध्यक्ष को लगता है कि चर्चा से जांच प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आएगी, तो वे अनुमति दे सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह भी आश्वासन दिया था कि वे जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, उनके लिए नोटिस देंगे। अयोध्या राम मंदिर का मामला अदालत में लंबित है। मामले की गंभीरता को समझने के बावजूद, उन्होंने न केवल सदन का अपमान किया है, बल्कि अदालत की चल रही प्रक्रिया का भी अपमान करने की शर्मनाक कोशिश की है। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि जिनका मुख्य मकसद ही हंगामा करना रहा हो, उन्हें लोकतांत्रिक कैसे कहा जा सकता है? वे 'हल्ला बोल' में यकीन रखते हैं। वे संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। अयोध्या मामले में, जहाँ ये लोग चंदा चोरी की बात करते हैं, वहाँ चंदा चोरी नहीं हुई थी; मामला चढ़ावे से जुड़ा था। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को पत्र लिखकर कहा कि अखबारों और मीडिया में इस बारे में जानकारी आई है, और हम चाहते हैं कि SIT बने और जांच हो। ट्रस्ट, कोर्ट द्वारा बनाया गया एक चैरिटेबल ट्रस्ट है। राज्य सरकार, ट्रस्ट के अनुरोध या कोर्ट के फैसले के बिना इस मामले में दखल नहीं दे सकती थी। उन्होंने कहा कि 23 जून को SIT ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। ट्रस्ट ने 25 जून को FIR दर्ज कराई। FIR के बाद, सबूतों के आधार पर आठ लोगों को पकड़ा गया। कोर्ट ने आगे की कार्रवाई के लिए पूरे मामले को अपनी निगरानी में ले लिया। इस मामले में किसी संत या साधु की कोई भूमिका नहीं पाई गई। मंदिर परिसर में 1100 से ज़्यादा लोग काम करते हैं, जिनमें से 8 लोगों की भूमिका पाई गई। संतों, साधुओं, अयोध्या धाम, राम जन्मभूमि मंदिर और कर्मचारियों को बदनाम करना बहुत हैरानी की बात है। ये आरोप SP और कांग्रेस लगा रहे हैं, जिन्होंने हमेशा राम जन्मभूमि और भगवान राम का अपमान किया है।

प्रयागराज में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, एक कमरे से तीन शव बरामद

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां तीन लोगों की धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी गई है। तीनों के शव एक कमरे में बिस्तर पर खून से लथपथ मिले। मरने वालों में दो महिलाएं जबकि एक पुरुष भी शामिल है। घटना की जानकारी होने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की पड़ताल में जुटी हुई है। वहीं, पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, अभी तक इस बात की जानकारी नहीं हो सकी है कि यह पूरी वारदात कैसे घटी। जानकारी के मुताबिक, शाहगंज थानाक्षेत्र के गढ़ी कला इलाके में एक मकान में तीन लोगों के शव बरामद हुए हैं। मरने वालों में एक दंपति और एक महिला शामिल है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी किराए के इस मकान में रहते थे और कबाड़ का काम किया करते थे। दोनों मुकबधिर भी बताए जा रहे हैं। वहीं, एक अज्ञात महिला का शव भी उसी कमरे से बरामद हुआ है जो सोमवार की देर शाम उनसे मिलने पहुंची थी। मंगलवार के दोपहर पुलिस को इस बात की जानकारी हुई कि तीन लोगों के शव एक ही कमरे से बरामद हुए हैं, जिसके बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस के साथ ही बड़े पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया है कि तीनों लोग एक ही कमरे में एक ही बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े हुए थे। पुरुष का शव बिस्तर के एक किनारे पर था, जबकि दो महिलाओं के शव बिस्तर के दूसरे किनारे पर बेतरतीब ढंग से पड़े हुए थे। पुलिस ने बताया है कि किसी धारदार हथियार से तीनों की हत्या की गई है। हालांकि अभी तक इस बात की जानकारी नहीं हो पाई है कि हत्यारा कौन है। वहीं, पुलिस मामले में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की जांच कर रही है।

कानपुर में गुरु गोविंद सिंह पर अभद्र टिप्पणी से बवाल, थाने का घेराव

उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरु गोविंद सिंह और सिख समुदाय पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। मंगलवार को सिख समुदाय के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। डेढ़ सौ से ज्यादा की संख्या में पहुंचे लोगों ने फजलगंज थाने का घेराव कर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। नाराज लोगों ने थाने के गेट पर ही नारेबाजी की। मामले की गंभीरता और हंगामे को देखते हुए पांच थानों की पुलिस फोर्स को मौके पर तैनात किया गया है। हंगामा बढ़ता देख ACP ज्योति श्री और थाना प्रभारी ने सिख समुदाय के लोगों को समझाने बुझाने की काफी कोशिश की। लेकिन प्रदर्शनकारी आरोपी के घर बुलडोजर चलाने और उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) लगाने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने कालपी रोड पर बैठकर जाम लगा दिया और वहीं 'वाहे गुरु' का जाप करने लगे। धरने और प्रदर्शन की वजह से सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन कर रहे सिख समुदाय के लोगों का कहना है कि अजय सिंह नाम के व्यक्ति ने उनके गुरु पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि आरोपी के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए और उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी नहीं हुई तो पूरे देश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सिख समुदाय के लोगों का कहना है कि आरोपी ने खुद को BJP नेता बताया है।

यूपी विधानसभा में हंगामा,

सपा विधायक सचिन यादव पूरे सत्र के लिए निलंबित

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष ने अनुशासनहीनता का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के जसराना विधायक सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक माहौल और गरमा गया। सदन की कार्यवाही के दौरान किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते माहौल शोर-शराबे और नारेबाजी में बदल गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कई बार व्यवस्था बनाए रखने की अपील की, लेकिन जब स्थिति सामान्य नहीं हुई तो उन्होंने सख्त कदम उठाया। अध्यक्ष के निर्देश पर मार्शलों ने सपा विधायक सचिन यादव को सदन से बाहर ले गए। इसके साथ ही उन्हें पूरे सत्र की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया। सपा समेत विपक्षी दलों ने इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई। विपक्ष का कहना है कि जनहित के मुद्दे उठाना विधायकों का अधिकार है और सरकार उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। विपक्षी सदस्यों ने निलंबन के फैसले को लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ बताया। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि विधानसभा की गरिमा बनाए रखना हर सदस्य की जिम्मेदारी है। उनके मुताबिक, यदि कोई सदस्य सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालता है या नियमों का उल्लंघन करता है, तो अध्यक्ष को कार्रवाई करने का अधिकार है। घटना के बाद सदन का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने दिनभर की कार्यवाही समय से पहले समाप्त करने का फैसला लिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अगले दिन सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस कार्रवाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। अब आने वाले दिनों में विधानसभा के भीतर इस मुद्दे पर और तीखी बहस देखने को मिल सकती है।